ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं एकाग्रचित्त आत्मा हूँ

मैं आत्मा एकांतवासी बन ज्ञानसूर्य बाबा पर एकाग्र हो गई हूँ...बाबा से सर्व शक्तियों की किरणें पड़ते ही डबल लाइट फरिश्ता बन गई...मुझ फरिश्ते द्वारा चारों तरफ शक्तिशाली किरणें फैल रही है... सर्व समस्याओं का समाधान हो रहा है...।

अव्यक्त शिक्षाएँ

वर्तमान समय सर्व आत्मायें मेहनत से थक गई हैं, सिद्धि चाहती हैं। अल्पकाल की सिद्धि द्वारा सन्तुष्ट हो जाती हैं लेकिन एक बात में सन्तुष्ट होती तो और अनेक बातें उत्पन्न होती। लंगड़ा चल पड़ता लेकिन और इच्छा उत्पन्न होती। यह भी हो जाए, यह भी हो जाए। तो वर्तमान समय के प्रमाण आप आत्माओं के सेवा की विधि ये सिद्धि स्वरूप की होनी है। विधि अर्थात् पुरुषार्थ के समय पर पुरुषार्थ किया। अब पुरुषार्थ का फल सिद्धि स्वरूप बन सिद्धि स्वरूप सेवा में विश्व के आगे प्रत्यक्ष बनो। अब यह आवाज़ बुलन्द हो कि विश्व में अविनाशी सिद्धि देने वाले, सिर्फ़ दिखाने वाले नहीं, देने वाले, सिद्धि स्वरूप बनाने वाले एक ही, यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय ही है। एक ही स्थान है।

अ.बापदादा-09.05.84

सच्ची सेवा सर्व का स्नेह,
सर्व द्वारा अविनाशी सम्मान और
खुशी की दुआयें प्राप्त होने की
खुशनसीबी के श्रेष्ठ भाग्य का
अनुभव कराती है

जो सदा खुश हैं
वही खुशनसीब हैं

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

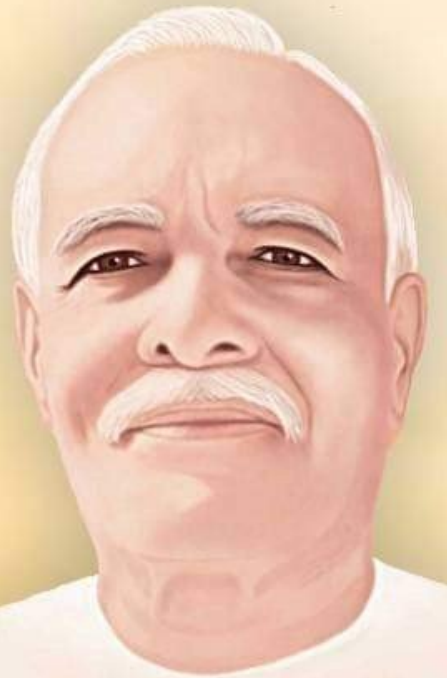

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

यह दुनिया एक रंगमंच है।
हर एक अभिनेता के पात्र
अनोखा और स्थिर है।

"नजारों को करेक्शन करने लग जाते हो तो बाप की याद का कनेक्शन लूज़ हो जाता है।"

इस पुरूषार्थी जीवन में ड्रामा अनुसार समस्यायें व परिस्थितियां तो आनी ही हैं। जन्म लेते ही आगे बढ़ने का लक्ष्य रखना अर्थात् परीक्षाओं और समस्याओं का आह्वान करना। जब रास्ता तय करना है तो रास्ते के नजारे न हों यह हो कैसे सकता। लेकिन उन नजारों को पार करने के बजाए यदि करेक्शन करने लग जाते हो तो बाप की याद का कनेक्शन लूज़ हो जाता है और मनोरंजन के बजाए मन को मुरझा देते हो। इसलिए वाह नजारा वाह के गीत गाते आगे बढ़ो अर्थात् सदा विजयी भव के वरदानी बनो।

Sakar Murli - 10-6-2005

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

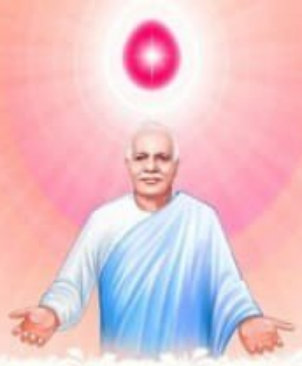

सम्पूर्णता की ओर

जो रूहानियत के रंग में सदा रंगे हुए रहते हैं, उनमें मधुरता का गुण स्वत: आ जाता है, जो अपनी वा दूसरों की बीती को नहीं देखते। वह सरल चित्त हो जाते हैं। सरल चित्त आत्माओं में मधुरता का गुण नेचुरल होता हैं। उनके नयनों से, मुख से और चलन से मधुरता प्रत्यक्ष रूप में देखने में आती हैं।

Even simplest of your act can become divine karma when the intentions, feelings & attitude of doing is pure and divine.
BRAHMA KUMARIS
facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org